जीएसटी के कारण भारत 7.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल करेगा :मूडीज

« नई दिल्ली। एजेंसी

भारत की जीडीपी वृद्धि दर अगले एक से डेढ़ साल के दौरान 6.5 से 7.5 प्रतिशत के दायरे में रहेगी। मूडीज ने एक सर्वेक्षण में कहा है कि जीएसटी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने में मददगार करेगा। मूडीज ने एक बयान में कहा, सर्वेक्षण में 60 फीसदी से ज्यादा लोगों की राय थी कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर अगले 12 से 18 महीने के दौरान 6.5 से 7.5 प्रतिशत के दायरे में रहेगी। हालांकि 75 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि बिजली, इस्पात और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में बड़े कंपनी समूहों को दिए गए कर्ज से भारत में बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता के लिए बड़ा जोखिम पैदा हुआ है। मूडीज और उससे संबद्ध इकरा के सर्वेक्षण में 200 से अधिक बाजार भागीदारों ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि

संभावना को लेकर विश्वास व्यक्त किया है। सर्वेक्षण में एक राय थी कि जीएसटी के लागू होने से 12 से 18 माह में आर्थिक विकास दर बढ़ेगी। जीएसटी में करों की जटिलता खत्म होने से कारोबार में आसानी होगी। मूडीज अमेरिकी क्रेडिट, रेटिंग और शोध एजेंसी है।

3-4 साल में आठ प्रतिशत हो सकती है वृद्धि दर

आर्थिक विकास की रफ्तार अगले 3-4 साल में बढ़कर 8 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाएगी। मूडीज के सहायक प्रबंध निदेशक मैरी डिरोन ने कहा कि भारत में चल रहे आर्थिक और संस्थागत सुधारों और आने वाले समय में होने वाले बदलावों को देखते हुए नोटबंदी अल्पकालिक अड़चन ही रहेगी और विकास दर फिर तेजी पकड़ेगी।

जून में वृद्धि दर लगभग 6.6 प्रतिशत रहेगी:नोमूरा

जापानी वित्तीय सेवा फर्म नोमूरा के अनुसार जून तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6.6 प्रतिशत रहना अनुमानित है। फर्म ने एक अध्ययन में कहा है कि वृद्धि दर में तेजी पर कुछ नकारात्मक असर जीएसटी को लेकर पड़ा है। इसके अनुसार जीएसटी के कार्यान्वयन से पहले अनिश्चितता और कंपनियों की भंडार कम करने की पहल का नकारात्मक असर जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि पर रहा। यही कारण है कि जीडीपी वृद्धि दर में जो तेजी मार्च के आखिर में दिख रही थी उसकी गति जून के आखिर में कुछ कम हुई। फिर भी उम्मीद है कि अप्रैल-जून की दूसरी तिमाही में औसत जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर थोड़ी मजबूत 6.6 प्रतिशत रहेगी जो कि पहली तिमाही में 6.1 प्रतिशत थी।

ऑटो-मेटल सेक्टर के दम पर चढ़ा मार्केट, सेंसेक्स 60 और निफ्टी 38 अंक चढ़कर बंद

« नई दिल्ली। एजेंसी

आखिरी के घंटों में आई खरीददारी के दम पर स्टॉक मार्केट हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 60 अंक बढ़कर 32,575 और निफ्टी 38 अंक बढ़कर 10,114 के लेवल बंद हुआ। सबसे ज्यादा खरीददारी ऑटो और मेटल इंडेक्स में देखने को मिली। वहीं, पीएसयू बैंक शेयरों में गिरावट दिखी।

ऑटो और मेटल शेयरों में तेजी

मंगलवार के कारोबार में निफ्टी पर 11 में से 9 इंडेक्स हरे निशान में रहे। सबसे ज्यादा तेजी औटो और मेटल शेयरों में रही। ऑटो इंडेक्स में 1.53 फीसदी और मेटल इंडेक्स में 0.94 फीसदी की तेजी रही। फार्मा इंडेक्स में 0.43 फीसदी, प्राइवेट बैंक इंडेक्स में 0.20 फीसदी और एफएमसीजी इंडेक्स में 0.14 फीसदी की तेजी रही। वहीं, पीएसयू बैंक शेयरों में गिरावट दिखी। इंडेक्स 1.35 फीसदी कमजोर होकर बंद हुआ।

आरबीआई पॉलिसी पर मार्केट की नजर

मार्केट की नजर अब बुधवार का रिजर्व बैंक पॉलिसी समीक्षा पर है। दो दिवसीय बैठक आज से शुरू हो गई है। मार्केट प्रमुख दरों में 0.25 फीसदी कटौती की उम्मीद कर रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर कटौती इससे ज्यादा होती है तो मार्केट के और तेजी देखने को मिल सकती है। हालांकि नतीजे अनुमान के मुताबिक नहीं रहे तो ऊंचे स्तरों पर पहुंचे मार्केट में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

70 से ज्यादा स्टॉक साल की ऊंचाई पर, मारुति रिकॉर्ड हाई पर

मंगलवार के कारोबार में 70 से ज्यादा स्टॉक साल की ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। इन स्टॉक्स में अडानी पोर्ट्स, अवंति फीड्स, बीईएमएल, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, आयशर मोटर्स, हिंडाल्को, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्लू स्टील, एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स, मैरिको, मारुति, मदरसन सूमी, पीटीसी, टाटा स्टील, टीवीएस मोटर, वोल्टास, विप्रो, द्वारिकेश शुगर, पावरग्रिड, रशील डेकोर शामिल हैं। इसमें से मारुति, ब्रिटानिया, द्वारिकेश शुगर, इंडसइंड बैंक, एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स, पावरग्रिड और रशील डेकोर ने सोमवार को अपना ऑल टाइम हाई लेवल भी छुआ है। मारुति के सेल्स के आंकड़े शानदार रहे हैं जिसके बाद स्टॉक में तेजी देखने को मिली है।

मिडकैप स्टॉक्स में तेजी

लार्ज कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स के मुकाबले मिडकैप स्टॉक्स में आज तेज उछाल देखने को मिला है। फिलहाल मिडकैप इंडेक्स में 0.47 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। आज के कारोबार में इंडेक्स में शामिल पेज इंडस्ट्रीज, एमआरपीएल, कंटेनर कॉर्पोरेशन में 3 फीसदी से ज्यादा की बढ़त है। वहीं इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस और यूपीएल में 2 फीसदी से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है। दूसरी तरफ स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.03 फीसदी की गिरावट है। सेंसेक्स में इतनी ही बढ़त देखने को मिली है।

आईटी और मेटल स्टॉक्स में बढ़त

मंगलवार के कारोबार में आईटी और मेटल सेक्टर स्टॉक्स में बढ़त देखने को मिल रही है। दोनो सेक्टर इंडेक्स आधा फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों के स्टॉक्स में कल की तेजी के बाद आज प्रॉफिट बुकिंग देखने को मिली है। इंडेक्स 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में घटकर 0.4 प्रतिशत पर, 19 माह का निचला स्तर

« नई दिल्ली। एजेंसी

कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक और सीमेंट क्षेत्र का उत्पादन घटने से बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून माह में घटकर 0.4 प्रतिशत पर आ गई. यह इसका 19 महीने का निचला स्तर है। आठ बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली आते हैं. पिछले साल जून में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जून में कोयला उत्पादन 6.7 प्रतिशत घटा, जबकि रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई। उर्वरक उत्पादन 3.6 प्रतिशत और सीमेंट उत्पादन 5.8 प्रतिशत नीचे आया। वहीं माह के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जून, 2016 में यह 4.3 प्रतिशत घटा था। आंकड़ों के अनुसार जून में प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन महीने में इस्पात उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई, जो जून, 2016 में 8.8 प्रतिशत रही थी. इसी तरह बिजली उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 0.7 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 9.8 प्रतिशत रही थी। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटने का असर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) में भी दिखेगा। कुल कारखाना उत्पादन में बुनियादी उद्योगों का हिस्सा 41 प्रतिशत बैठता है। मई में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत रही थी। इससे पहले नवंबर, 2015 में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 1.3 प्रतिशत गिरा था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की तिमाही आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 2.4 प्रतिशत पर आ गई है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6.9 प्रतिशत रही थी।

महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए खुशखबरी, सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर

« नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू गैस के उपभोक्ताओं को राहत मिलने वाली खबर है। देश में गैस कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। अगस्त माह में 14.2 किलो का गैस सिलेण्डर 40 रुपए 50 पैसे सस्ता हुआ है। वहीं 19 किलो का सिलेंडर 51.50 रुपए सस्ता हुआ है। अब 14.2 किलो का गैस सिलेण्डर अब 514 रुपए और 19 किलो का सिलेंडर 976 रुपए में अगस्त माह में उपलब्ध होगा। घरेलू गैस कीमतों में गिरावट से राजस्थान के 1 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। घटी हुई कीमतों पहली अगस्त से प्रभावी हो गई हैं। घरेलू गैस पर 32 रुपए 32 पैसे सब्सिडी मिलेगी। घरेलू गैस पर पांच फीसदी और कॉमर्शियल गैस पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लागू है। वहीं आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने सरकारी तेल कंपनियों से सब्सिडाइज्ड कुकिंग गैस (सब्सिडी पर मिलने वाली एलपीजी) की कीमतें हर महीने प्रति सिलेंडर 4 रुपए बढ़ाने को कहा है। यह बात ऑयल मिनिस्टर धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कही है।

एयर इंडिया का मौजूदा कारोबार टिकाऊ नहीं: सरकार

« नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को पार्लियामेंट्री पैनल के सामने बताया है कि एयर इंडिया का वर्तमान बिजनेस टिकाऊ नहीं नहीं है क्योंकि यह न तो पर्याप्त कैश जेनरेट करने में सझम है औ न ही कर्ज का मूलधन भी चुकाना शुरू किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घाटे में चल रही एयर इंडिया में हिस्सेदारी बेचने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडलीय समिति प्रस्तावित विनिवेश के अंतिम प्रारूप पर काम कर रहा है। इसके मद्देनजर पैनल ने एयर इंडिया में विनिवेश के फैसले का ब्योरा मांगा है। सूत्रों ने बताया कि एविएशन मिनिस्ट्री ने उन कारणों का ब्योरा पैनल को दिया है, जिसके चलते एयर इंडिया में हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया गया।

सरकारी प्रतिनिधियों का पक्ष अगले महीने

मिनिस्ट्री ने पैनल को सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में एयर इंडिया न तो पर्याप्त कैश प्रवाह जेनरेट करने की स्थिति में और न ही वह अपने कर्ज के मूलधन का भुगतान कर पा रहा है। मिनिस्ट्री के बयान के हवाले से सूत्रों ने कहा कि मौजूदा परिचालन सहित अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए एयर इंडिया का मौजूदा कारोबार टिकाऊ नहीं है। पैनल की स्टैंडिंग कमिटी (परिवहन, पर्यटन व संस्कृति) इस मुद्दे पर सरकारी प्रतिनिधियों का पक्ष अगले महीने सुनने वाली है।

बोइंग के 787-9 विमानों की लीजिंग होल्ड

इन सब के बीच एयर क्राफ्ट मैन्यूफैचर कंपनी बोइंग ने कहा है कि एयर इंडिया ने 787-9 विमानों की लीजिंग को होल्ड पर रख दिया है। अमेरिका की कंपनी बोइंग के बड़े अधिकारी के मुताबिक एयर इंडिया ने यह फैसला सरकार के हिस्सेदारी बेचने के निर्णय के बाद लिया है। बोइंग ने साथ ही यह भी कहा है कि वह एयर इंडिया के इस फैसले का सम्मान करेगा। कंपनी को एयर इंडिया से इस फाइनेंशियल ईयर में छह और विमानों की डिलिवरी लेने की उम्मीद है।

उपलब्धि | मुकेश अंबानी इस तरह से आगे बढ़ते रहे तो वह जल्द ही एशिया के सबसे अमीर कारोबारी बन जाएंगे

एशिया के दूसरे सबसे रईस शख्स बने मुकेश अंबानी, चीनी कारोबारी से छीना ताज

« नई दिल्ली। एजेंसी

मुकेश अंबानी ने तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते हुए एक और उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने वेल्थ के मामले में चीनी मूल कारोबारी ली का शिंग को पीछे छोड़ दिया है। हांगकांग के इस बिजनेसमैन को पछाड़ अब मुकेश अंबानी एशिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर शख्स बन गए हैं। अब उनके आगे हैं अलीबाबा ग्रुप के चेयरमैन चीनी कारोबारी जैक मा। ब्लूमबर्ग के अरबपति इंडेक्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने महज एक साल में अपनी वेल्थ में 12.1 अरब डॉलर का इजाफा किया है। उनकी कुल वेल्थ अब 35.2 अरब डॉलर हो गई है। वहीं, एशिया से दूसरे नंबर के

सबसे अमीर शख्स की पदवी खोने वाले ली की नेट वर्थ 33.3 अरब डॉलर रह गई है। बीते एक साल में वह अपनी नेटवर्थ में केवल 4.85 अरब डॉलर का ही इजाफा कर पाए।

सबसे अमीर कारोबारी बन जाएंगे

अगर मुकेश अंबानी इस तरह से आगे बढ़ते रहे तो वह जल्द ही एशिया के सबसे अमीर कारोबारी बन जाएंगे। अभी इस पोजीशन पर अलीबाबा ग्रुप के चेयरमैन जैक का का कब्जा है, जिनकी नेटवर्थ 43.7 अरब डॉलर है। उनकी नेटवर्थ में एक साल में 10.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इस हिसाब से देखा जाए तो मुकेश अंबानी की तरक्की की रफ्तार उनसे तेज है। जियो का फोन लॉन्च होने के बाद उनकी नेटवर्थ और बढ़ जाने का अनुमान है।

ली का शिंग ने किया था पीछे

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (ऋ्छ्रु) के चेयरमैन मुकेश अंबानी 2008 से एशिया के सबसे धनी और दुनिया के टॉप पांच अमीरों में शामिल थे, लेकिन चीन के जैक मा, हांगकांग के ली का शिंग और ली शाउ ने उन्हें पीछे कर दिया। मुकेश अंबानी 2012 तक एशिया के सबसे धनी व्यक्ति थे। अंबानी की 2014 में कुल संपत्ति 23.2 अरब डॉलर पर आ गई, जबकि 2008 में उनकी संपत्ति 43 अरब डॉलर थी। 2014 में अंबानी को जैक मा ने पीछे कर उनसे दूसरे नंबर का ताज छीन लिया था।

पहला कॉलम

पैन-आधार लिंक करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त तक

» **नई दिल्ली**। सोमवार को सरकार ने आईटीआर फाइलिंग की अंतिम तारीख को 31 जुलाई 2017 से बढ़ाकर 5 अगस्त 2017 कर दिया है, साथ ही सरकार ने करदाताओं को यह राहत भी दी है कि वो पैन को आधार से लिंक किए बिना भी आईटीआर फाइल कर सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने आईटीआर में आधार नंबर या एनरोल्मेंट आईडी का उल्लेख करना होगा। हालांकि विभाग आपका आईटीआर उसी सूरत में प्रोसेस करेगा जब आपके ये दोनों आईडी प्रूफ आपस में लिंक होंगे। हम अपनी खबर के माध्यम से आपको पैन को आधार से लिंक करने के तीन तरीके बताएंगे।

ब्लैकबेरी कीवन स्मार्टफोन लॉन्च, 8 अगस्त से शुरू होगी ऑनलाइन बिक्री

» **नई दिल्ली**। नोकिया के बाद ब्लैकबेरी ब्रांड भी इंडियन मोबाइल यूजर को लुभाने की कोशिश में जुट गया है। कंपनी ने अपने पार्टनर ऑप्टिमस इंफाकॉम के साथ मिलकर अपना नया 'ब्लैकबेरी कीवन' स्मार्टफोन लॉन्च किया है। इसके अलावा ऑप्टिमस की तैयारी ब्लैकबेरी ब्रांड के और नए हैंडसेट लॉन्च करने की तैयारी है। इसमें हर प्राइज रेंज के फोन शामिल होंगे। इस फोन को अगर आप खरीदना चाहते हैं, तो आप इसे 8 अगस्त को ऑनलाइन रिटेलर अमेजन पर खरीद सकेंगे। इसी साल की शुरुआत में ब्लैकबेरी ने ऑप्टिमस इंफाकॉम के साथ टाई-अप किया था।

अप्रैल-जून तिमाही के दौरान इंटरग्लोब एविएशन का मुनाफा 37 फीसद बढ़कर 811 करोड़ हुआ

» **नई दिल्ली**। देश में निजी विमानन क्षेत्र की बड़ी कंपनी इंडिगो का परिचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 37.1 फीसद बढ़कर 811.14 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं बीते वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान यह आंकड़ा 591.77 करोड़ रुपए रहा था। जानकारी के लिए आपको बता दें कि भारतीय विमानन बाजार में इंडिगो 40 फीसद की हिस्सेदारी रखता है। वित्त वर्ष 2017-18 की पहली तिमाही के दौरान इंडिगो की आय 25.6 फीसद बढ़कर 5,955 करोड़ रुपये रही, जिसमें यात्री राजस्व में 5.5 फीसद की बढ़ोतरी शामिल है। वहीं इसमें उच्च लोड फैक्टर का भी योगदान रहा, जिसमें 4.7 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज हुई। माना जा रहा है कि सभी परिचालनात्मक मापदंडों पर कंपनी ने बेहतर परिणाम दिए हैं।

एसबीआई ने बचत खाते पर घटाया ब्याज

» **नई दिल्ली**। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बचत खाते पर ब्याज दर में तत्काल प्रभाव से 50 आधार अंक की कटौती की है। बैंक के बचत खाते में 1 करोड़ रुपये तक की जमा पर अब सालाना 4 फीसदी की जगह 3.5 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। हालांकि 1 करोड़ रुपये से अधिक की जमा पर पहले की तरह 4 फीसदी ब्याज मिलता रहेगा। 25 अक्टूबर 2011 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बचत खातों पर बैंकों को ब्याज दर तय करने की आजादी दिए जाने के बाद यह पहला मौका है जब एसबीआई ने ब्याज दर में कटौती की है। जमा पर ब्याज दर में कटौती आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा की 2 अगस्त को होने वाली बैठक से दो दिन पहले की गई है।